विद्या सर्वार्थ साधिका

आनंदालय

सामयिक परीक्षा–3

कक्षा : ग्यारहवीं

विषय : हिन्दी(केंद्रिक)
दिनांक : 20 / 12 / 2019

अधिकतम अंक : 40
निर्धारित समय: 2 घंटे

सामान्य निर्देश –

- ✧ इस प्रश्न पत्र में तीन खंड हैं– क, ख, ग।
- ✧ तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
- ✧ यथा संभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमशः दीजिए।
- ✧ एक अंक के प्रश्नों का उत्तर 15 से 20 शब्दों में लिखिए।
- ✧ दो अंकों के प्रश्नों उत्तर 30–40 शब्दों में लिखिए।
- ✧ तीन अंकों के प्रश्नों के उत्तर 60–70 शब्दों में लिखिए।
- ✧ चार अंको के प्रश्नों के उत्तर 80–100 शब्दों में लिखिए।
- ✧ पाँच अंकों के प्रश्नों का उत्तर 120–150 शब्दों में लिखिए।

खण्ड–क

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

जब हम परेशान होते हैं या अपनी किसी गलती के कारण किसी को जिम्मेदार बनाने पर उतारू होते हैं, तब काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार जैसे शब्दों को कोसने लगते हैं। हमें लगता है सारी झंझटें इन्हीं के कारण हैं। उन्हें बुरा कहा जाता है और इनके परिणामों पर खूब प्रवचन होते हैं लेकिन आधा सच पूरे झूठ से भी खतरनाक है। गुरुनानक देव ने एक जगह कहा है– अंधा-अंधा ठेलिया। अंधे लोग अंधों को ही धक्का दे रहे हैं । ये हमारी मनोवृत्तियाँ हैं और इन्हें ठीक से नहीं समझ पाने के कारण हम अंधों की ही तरह व्यवहार करने लगते हैं।

इन मनोवृत्तियों से काम लिए बिना जिंदगी चल भी नहीं सकती। परमात्मा ने जन्म से हमें इन्हें दे रखा है। इसका मतलब ही है कि इनका कोई न कोई उपयोग ज़रूर होगा। इसलिए दिमाग ठीक जगह लगाया जाए। क्रोध में जो उत्तेजना होती है, यदि उसे समझ लिया जाए तो उसे उत्साह में बदलना आसान हो जाएगा। उत्साह एक ताकत है। यह एक तरह की सामर्थ्य है। खाली क्रोध कमज़ोरी और नियंत्रित क्रोध ताकत बन जाता है। लोभ मनुष्य को उन्नति, प्रगति और विकास की ओर ले जाता है। लोभ क्रियाशील भी बनाता है। मोह न हो तो लोभ एक दूसरे के प्रतिघातक हो जाए। निर्मोही भाव यदि ठीक से न समझा जाए तो निर्ममता में बदल जाता है। इसलिए इन मनोवृत्तियों को समझना बहुत ज़रूरी है। इनका सदुपयोग इनकी ताकत से हमें जोड़ता है।

(क) मनुष्य अपनी किस अवस्था में और किन शब्दों को कोसने लगता है ? (2)

(ख) क्रोध को सकारात्मक स्वरूप देने पर वह किस रूप में परिवर्तित हो जाता है ? (2)

(ग) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक लिखिए और उसका अर्थ भी बताइए। (1)

2. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

सागर का रुप लिया,
मेघों ने चलकर ही,

धरती को गर्भ दिया,
रुकने का मरण नाम, पीछे सब प्रसार है।
आगे है रंगमहल, युग के ही संग-संग चलते चलो।
मानव जिस ओर गया,
नगर बने, तुम से है कौन बड़ा ?
गगन सिंधु मित्र बने,
भूमि का भोगो सुख, नदियों का सोम पियो
त्यागे सब जीर्ण वसन, नूतन के संग-संग चलते चलो।

(क) 'युग के संग-संग चलते चलो' का क्या आशय है ? (1)
(ख) 'नूतन' शब्द का सही पर्याय लिखिए। (1)
(ग) इस काव्यांश में कवि ने क्या संदेश दिया है ? (1)

खण्ड–ख

3. 'भीषण दुर्घटना' का दृश्य लेखन कीजिए। (50–60 शब्दों में) (3)

4. 'दैनिक जागरण' समाचार पत्र के प्रधान संपादक को पत्र लिखिए। जिसमें दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले अश्लील विज्ञापनों की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए इस समस्या का वर्णन किया गया हो। (5)

अथवा

अपने मुहल्ले में दिन-प्रतिदिन बढ़ते बिजली कटौती के संकट को लेकर विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता को कारण बताते हुए पत्र लिखिए।

5. (क) फ्लैषबैक किसे कहते हैं ? (1)
(ख) जनसंचार के प्रमुख कार्य बताइए। (1)

खण्ड–ग

6. निम्नलिखित काव्यांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

उस दिन चंपा आई, मैंने कहा कि
चंपा तुम भी पढ़ लो
हारे गाढ़े काम सरेगा
गांधी बाबा की इच्छा है–
सब जन पढ़ना-लिखना सीखे
चंपा ने यह कहा कि
मैं तो नहीं पढ़ूँगी
तुम तो कहते थे गांधी बाबा अच्छे हैं
वे पढ़ने लिखने की कैसे बात कहेंगे
मैं तो नहीं पढ़ूँगी
मैंने कहा कि चंपा, पढ़लेना अच्छा है
ब्याह तुम्हारा होगा, तुम गौने जाओगी,
कुछ दिन बालम संग साथ रह चला जाएगा जब कलकत्ता
बड़ी दूर है वह कलकत्ता
कैसे उसे सँदेसा दोगी
कैसे उसके पत्र पढ़ोगी
चंपा पढ़ लेना अच्छा है !

चंपा बोलीः तुम कितने झूठे हो, देखा,
हाय राम, तुम पढ़-लिख कर इतने झूठे हो
मैं तो ब्याह कभी न करूँगी
और कहीं जो ब्याह हो गया
तो मैं अपने बालम को सँग साथ रखूँगी
कलकत्ता मैं कभी न जाने दूँगी
कलकत्ते पर बजर गिरे।

(क) कवि ने चंपा को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है ? (1)
(ख) आपके विचार में चंपा ने ऐसा क्यों कहा होगा कि मैं तो नहीं पढ़ूँगी ? (1)
(ग) संदेश ग्रहण करने और भेजने में असमर्थ होने पर एक अनपढ़ लड़की को किस वेदना और विपत्ति को भोगना पड़ता है, अपनी कल्पना से लिखिए। (1)

7. (क) 'सबसे खतरनाक' कविता का सारगर्भित काव्य सौंदर्य बताइए। (2)
(ख) कवि चंपा को पढ़ने के लिए किस प्रकार प्रेरित करता है ? (2)

8. निम्नलिखित गयांश पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए –
देखो, तुम मुझे फिर गुस्सा दिला रहे हो। रवि..... गलती करने वाला तो है ही गुनहगार, पर उसे बर्दाश्त करने वाला भी कम गुनाहगार नहीं होता जैसे लीला बेन और कांति भाई और हज़ारों-हज़ारों माँ-बाप। लेकिन सबसे बड़ा गुनाहगार तो वह है जो चारों तरफ़ अन्याय, अत्याचार और तरह-तरह की धाँधलियों को दखकर भी चुप बैठता है, जैसे तुम। (नकल उतारते हुए) हमें क्या करना है, हमने कोई ठेका ले रखा है दुनिया का। (गुस्से और हिकारत से) माई फुट (उठकर भीतर जाने लगती है। जाते-जाते मुड़कर) तुम जैसे लोगों के कारण ही तो इस देश में कुछ नहीं होता, हो भी नहीं सकता।

(क) पाठ तथा लेखक का नाम बताइए। (1)
(ख) इस संवाद का वक्ता कौन है ? वह क्यों गुस्से में है ? (1)
(ग) सबसे बड़ा गुनहगार किसे कहा गया है और क्यों ? (2)

9. निम्नलिखित प्रश्नों का उत्तर दीजिए –
(क) लेखक ने भारत की जनता के स्वभाव पर क्या टिप्पणी की। सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ? (2)
(ख) यदि आप माली की जगह पर होते, तो हुकुमत के फैसले का इंतज़ार करते या नहीं ? अगर हाँ तो क्यों ? और नहीं तो क्यों ? (3)

अथवा

स्पीति में रहने की स्थितियाँ नहीं हैं– ऐसा क्यो ?

10. तातुश ने बेबी हालदार को लेखक के लिए क्यों और कैसे बाध्य किया ? (2)

11. सजने–सँवरने के बारे में लेखिका के विचार अपने शब्दों में लिखिए। (4)